सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 81 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 25 अप्रैल, 2024
मूल्य ₹ 3/-

पंखुड़ियां तोड़ कर आप फूल की खूबसूरती नहीं इकट्ठा करते।
-रबिन्द्रनाथ टैगोर

दिल्ली ने गुजरात टाइटंस से छीनी... 7 | दक्षिण में कमल को मसलेगा... 3 | जनता की मांग पर बना प्रत्याशी... 2

कन्नौज से अखिलेश ने ठोंकी ताल बीजेपी की बिगाड़ेंगे चाल

सपा से लोस प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया

कन्नौज के सहारे विस चुनाव पर सपा की नजर

» इंडिया गठबंधन ने दिखाया दम, जीत का किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कन्नौज से 12 बजे अपना चार सेट का नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। पार्टी द्वारा निर्वाचन क्षेत्र से एक और उम्मीदवार की घोषणा के तीन दिन बाद, यादव ने आज इस सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव, सपा जिला अध्यक्ष कलीम खान, पूर्व विधायक कल्याण सिंह दोहरे व प्रदेश सचिव आकाश शाक्य प्रस्तावक के रूप में मौजूद रहे। नामांकन में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटी रही। अखिलेश यादव ने इस सीट से समाजवादी पार्टी की जीत का भरोसा जताया। इससे पहले उनके भतीजे तेज प्रताप यादव को कन्नौज से उम्मीदवार घोषित किया गया था। उनके नामांकन से बीजेपी के वर्तमान सांसद सुब्रत पाठक दबाव में आ गए हैं।

ज्ञात हो कि लालू प्रसाद यादव के दामाद तेज प्रताप 2014 से 2019 के बीच मैनपुरी से सांसद थे। वह समाजवादी पार्टी के सदस्य हैं। अखिलेश यादव ने तीन बार 2000, 2004 और 2009 में कन्नौज सीट जीती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद 2012 में उन्होंने यह निर्वाचन क्षेत्र खाली कर दिया। डिंपल यादव 2019 तक कन्नौज की सांसद थीं।

जातीय समीकरण का रखा ध्यान

जातीय समीकरण की बात की जाए तो कन्नौज में करीब 16 प्रतिशत मुस्लिम, 16 प्रतिशत यादव हैं। यहां ब्राह्मणों की आबादी 15 प्रतिशत है, जबकि ठाकुर 10 प्रतिशत के आसपास है। अन्य ओबीसी समुदाय की आबादी भी यहां 20 प्रतिशत के आसपास है, जबकि दलित 18-19 प्रतिशत हैं।

अखिलेश को मैदान में उतारकर सपा कन्नौज और कानपुर का स्थानीय समीकरण ठीक करने की रणनीति पर काम कर रही है, जिसका फायदा 2027 के विधानसभा चुनाव में उसे मिले। कन्नौज में विधानसभा की 5 और कानपुर में 5 सीट है। 2022 में इन 10 में से सपा को सिर्फ 3 सीटों पर जीत मिली थी। कन्नौज की तो 4 सीटों पर सपा चुनाव हार गई थी। 2012 में जब अखिलेश यहां से सांसद थे, तो सपा ने क्लीन स्विप किया था। 2022 में भी अखिलेश ने कन्नौज और कानपुर में डेरा डाला था, लेकिन सपा कई सीटों पर काफी क्लोज मार्जिन से चुनाव हार गई। ऐसे में अखिलेश यहां से चुनाव लड़कर दोनों जगहों का सियासी समीकरण ठीक करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इस उत्पादन को लेकर मशहूर कन्नौज यूपी की 80 में से एक लोकसभा सीट है। कन्नौज और कानपुर देहात के कुछ हिस्सों को काटकर 1967 में कन्नौज लोकसभा का गठन किया गया है। इस सीट से कद्दावर समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया पहली बार सांसद चुने गए थे। समाजवादी नेताओं का यह सीट गढ़ माना जाता रहा है। 1996 से लेकर 2014 तक लगातार 20 साल तक इस सीट पर सपा का कब्जा रहा। अखिलेश ने इसी सीट से अपने सियासी करियर की शुरुआत की थी। 2012 में मुख्यमंत्री बनने के बाद अखिलेश ने जब यहां से इस्तीफा दिया, तो पार्टी की तरफ से डिंपल को मैदान में उतारा गया था। डिंपल यहां से निर्विरोध चुनाव जीती थी।

अब मुकाबला भारत बनाम पाकिस्तान जैसा होगा : सुब्रत पाठक

कन्नौज से भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुब्रत पाठक ने यूपी संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ अपने चुनावी मुकाबले की तुलना भारत बनाम पाकिस्तान क्रिकेट मैच से की है। भाजपा सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव सबसे बड़ा त्योहार है। जब चुनाव होते हैं तो दिलचस्प होने चाहिए। अखिलेश यादव ने जब तेज प्रताप को यहां भेजा तो उन्हें समझ आ गया। तेज प्रताप से मुकाबला होता तो भारत बनाम जापान का क्रिकेट मैच होता। अब मैच भारत बनाम पाकिस्तान (सुब्रत पाठक बनाम अखिलेश यादव) जैसा होगा। 2019 के आम चुनाव में बीजेपी के सुब्रत पाठक ने कन्नौज से अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को हराया था।

पीएम जानते हैं उनके हाथ से चुनाव निकल गया है : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी की गारंटी और मोदी की गारंटी में फ़र्क साफ़ है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जानते हैं कि लोकसभा चुनाव उनके हाथ से निकल चुका है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस की गारंटी हिंदुस्तानियों की सरकार, महिलाओं को 8,500 रुपये प्रति माह, युवाओं को एक लाख रुपये प्रति वर्ष की नौकरी, 30 लाख रिक्तियों पर भर्ती और किसानों को कानूनी एमएसपी। उन्होंने दावा किया, ''मोदी की गारंटी का मतलब अडानियों की सरकार, देश की संपत्ति अरबपतियों की जेब में, चंदे के धंधे वाला वसूली गैंग, संविधान और लोकतंत्र खत्म, किसान पाई-पाई का मोहताज। राहुल गांधी ने कहा कि दोनों गारंटी में फर्क साफ है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस हिंदुस्तान में करोड़ों लखपति बनाएगी और मोदी जी जानते हैं कि चुनाव उनके हाथ से निकल गया है।

दूसरे चरण का मतदान कल, कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

» 13 राज्यों की 89 सीटों पर होगी वोटिंग, यूपी में 8 सीटों पर रहेगी निगाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल दूसरे चरण के मत डाले जाएंगे। 24 अप्रैल को इस चरण के प्रचार खत्म हो चुके हैं। चुनाव आयोग ने भी पूरी तैयारी कर ली है। मतदेय स्थलों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हो गई हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे फेज में 13 राज्यों की 89 सीटों पर वोटिंग होगी। असम की पांच, बिहार की पांच, छत्तीसगढ़ की तीन, जम्मू-कश्मीर की एक और कर्नाटक की 14 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। इसके अलावा केरल की सभी 20 सीटों पर 26 अप्रैल को ही मतदान होगा। मध्यप्रदेश की सात, राजस्थान की 13, महाराष्ट्र की 8, त्रिपुरा की एक और उत्तर प्रदेश की 8 लोकसभा सीटों के लिए भी दूसरे चरण में वोट डाले जाएंगे।

पश्चिम बंगाल में तीन सीटों पर वोटिंग होगी। पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने दूसरे चरण में होने वाले मतदान वाली 89 सीटों में से 51 पर जीत हासिल की थी। एनडीए के सहयोगियों के खाते में 8 सीटें थीं। कांग्रेस के 21 सांसद पिछले चुनाव में विजयी रहे थे। इसके अलावा बची हुई सीटें सीपीएम, बीएसपी और अन्य के खाते में गई थी। इनमें से 66 फीसदी सीटों पर एनडीए का कब्जा है। इंडिया गठबंधन के पास करीब 21 फीसदी सीटें हैं।

राहुल गांधी, हेमा समेत कई दिग्गजों के भाग्य का फैसला ईवीएम में होगा बंद

पिछले आम चुनाव में कांग्रेस को केरल में भारी सफलता मिली थी। कांग्रेस की यूडीएफ ने 20 में से 19 सीटों पर कब्जा किया था। दूसरे चरण में वोटिंग के लिए मध्यप्रदेश की सात सीटों पर बीजेपी का कब्जा था। बिहार में एक सीट बीजेपी और चार जेडी यू के पास थी। राजस्थान और त्रिपुरा में भी बीजेपी की परीक्षा होगी, क्योंकि सभी सीटें बीजेपी के पास है। असम की तीन सीटों पर बीजेपी और दो पर कांग्रेस का कब्जा है। दूसरे चरण के मतदान में कई दिग्गजों का भविष्य दांव पर लगा है, इनमें बीजेपी के प्रह्लाद जोशी, हेमा मालिनी, ओम बिरला, अरुण गोविल, नवनीत राणा,महेश शर्मा शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस के शशि थरूर और राहुल गांधी की सीटों पर वोटिंग भी दूसरे चरण में होगी। शशि थरूर तिरुवनंतपुरम और राहुल गांधी केरल के वायनाड से चुनाव लड़ रहे हैं।

जनता की मांग पर बना प्रत्याशी : अखिलेश

» सपा का कन्नौज सीट बीजेपी से छीनने का इरादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी से कन्नौज सीट छीनने के लिए सपा मुखिया ने वहां से खुद लड़ने का फैसला किया है। इंडिया खेमे को भरोसा है कि पहले चरण में उसके हिस्से तीन से चार सीटें आएंगी। अगले चरणों में इसे बनाए रखने और उत्साह कायम रखने के लिए भी अखिलेश यादव ने मैदान में उतरने का निर्णय लिया। वहीं, स्थानीय संगठन ने अखिलेश यादव से मिलकर स्पष्ट कर दिया था कि तेज प्रताप यादव के लड़ने पर उतना समर्थन नहीं मिल पाएगा, जितना अखिलेश यादव को बतौर प्रत्याशी को मिल सकता है। दरअसल, कन्नौज सीट पर मैनपुरी से पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को सोमवार को ही उम्मीदवार बनाया गया था।

हालांकि, पहले से ही सपा कार्यकर्ताऔधि मांग की थी कि अखिलेश यादव को ही कन्नौज से चुनाव लड़ना चाहिए। मंगलवार को कुछ कार्यकर्ता और नेता लखनऊ में अखिलेश से मिले और चुनाव मैदान में उतरने का अनुरोध किया। अखिलेश यादव ने मंगलवार की शाम को अमर उजाला से बातचीत में खुद चुनाव लड़ने के स्पष्ट संकेत दे दिए थे। बताते हैं कि कन्नौज में उठापटक तो सोमवार को तेज प्रताप के नाम के एलान के साथ ही हो गई थी। तेज प्रताप की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद से ही सपा के स्थानीय कार्यकर्ता इस फैसले का विरोध कर रहे थे। कन्नौज के सपा नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल अखिलेश यादव से मिला और पूरी स्थिति से अवगत कराया। यह भी बताया कि स्थानीय स्तर पर सपा के कार्यकर्ता तेज प्रताप की उम्मीदवारी से नाखुश हैं और उनका कहना है कि तेज प्रताप को वहां के लोग जानते तक नहीं हैं। स्थानीय नेता किसी भी हालत में पार्टी की स्थिति को कन्नौज में कमजोर नहीं होने देना चाहते हैं। अगर अखिलेश खुद नहीं उतरे, तो पार्टी से लोग निराश हो जाएंगे। यहां बता दें कि कन्नौज सीट पर लंबे समय तक समाजवादी पार्टी का दबदबा रहा है। अखिलेश यादव 2000 में कन्नौज सीट पर हुए उपचुनाव में पहली बार सांसद चुने गए थे। वह 2004 और 2009 में भी इसी सीट से सांसद रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद लोकसभा से इस्तीफा देने के चलते 2012 में कन्नौज सीट पर हुए उपचुनाव में अखिलेश की पत्नी डिंपल निर्विरोध चुनी गई थीं। 2014 के आम चुनाव में भी डिंपल ने इसी सीट से जीत दर्ज की थी, लेकिन 2019 के चुनाव में वह भाजपा के सुब्रत पाठक से हार गईं।

स्थानीय स्तर पर सपा के कार्यकर्ता नाखुश थे

2012 में डिंपल निर्विरोध बनी थीं सांसद

टिकट न मिलने से नाराज पर सपा नहीं छोड़ूंगा : अबू आजमी

सपा नेता अबू आजमी ने कहा है कि मीडिया में उनके सपा छोड़ने की खबरें निराधार हैं। वे नेताजी मुलायम सिंह यादव के समय से सपा से जुड़े हैं और मुंबई में समाजवादी पार्टी को उन्होंने खड़ा किया है। समाजवादी पार्टी को छोड़कर नहीं जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन के तहत उन्हें लोकसभा का टिकट नहीं मिला है। नॉर्थ-ईस्ट मुंबई सीट से वे टिकट मांग रहे हैं। इसको लेकर उनके अंदर थोड़ी नाराजगी जरूर है। इसके बावजूद सपा का साथ छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि वे सरकार में शामिल एनडीए गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं से मिले जरूर हैं लेकिन, यह मुलाकात काम के सिलसिले में थी, एनडीए में शामिल होने के लिए नहीं।

संजय सिंह की जनसभाएं चाह रहे कांग्रेस और सपा प्रत्याशी

शराब घोटाले में हाल ही में जेल से छूटे आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की अपनी पार्टी में ही नहीं बल्कि इंडिया गठबंधन में भी काफी मांग में है। जेल से निकलने के बाद भी वह भाजपा सरकार पर पहले की तरह हमलावर हैं। यही वजह है कि कांग्रेस व सपा के प्रत्याशी उनकी सभाओं की मांग कर रहे हैं। हाल ही में पश्चिमी यूपी में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी दानिश अली के लिए अमरोहा और सपा प्रत्याशियों अमरपाल शर्मा के लिए बागपत में सभाएं की हैं। आप यूपी में चुनाव नहीं लड़ रही है लेकिन इंडिया गठबंधन में रहकर वह उनके प्रत्याशियों को जिताने के लिए जनसंपर्क व सभाएं कर रही है। पार्टी के नेता व पदाधिकारी इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ मिलकर चुनाव की रणनीति तैयार कर रहे हैं। संजय सिंह के जेल में बंद रहने तक तो आप के नेताओं को इंडिया गठबंधन में ज्यादा नहीं पूछा जा रहा था। पर, जेल से निकलने के बाद न सिर्फ उनकी बल्कि आप नेताओं की भी मांग बढ़ गई है।

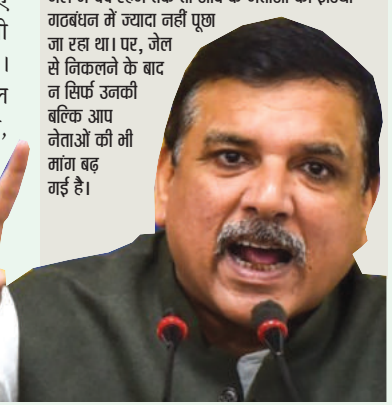

भाजपा धार्मिक मुद्दे उठाकर चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है : रेड्डी

» केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर क्षेत्र की अनदेखी का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ हमला तेज करते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल धार्मिक मामलों को उछालकर लोकसभा चुनाव जीतने की कोशिश कर रहा है। सिकंदराबाद से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार दानम नागेंद्र के समर्थन में यहां एक रैली को संबोधित करते हुए रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस कथन का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदुओं की संपत्ति मुसलमानों के बीच वितरित कर दी जायेगी। उन्होंने जानना चाहा कि क्या प्रधानमंत्री द्वारा इस तरह का 'झूठ फैलाना' उचित है।

मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुये कहा कि भगवान को मंदिर में रहना चाहिए और भक्ति दिलों में। नरेन्द्र मोदी भगवान को बाजार में खींचकर वोट हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं... इस 'माया' में मत फंसिए।' रेड्डी ने कहा कि भाजपा के लोग धार्मिक मुद्दे उठाकर चुनाव जीतने का सोच रहे हैं।' रेवंत रेड्डी तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं। मुख्यमंत्री ने स्थानीय भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाया तथा पार्टी की उपलब्धियां गिनाई। इसके साथ ही उन्होंने बीआरएस और इसके नेताओं के खिलाफ जमकर हमला बोला। इस बीच, कांग्रेस ने आर. रघुराम रेड्डी, मोहम्मद वलीउल्लाह समीर और वेलीचला राजेंद्र राव को क्रमशः खम्मम, हैदराबाद और करीमनगर लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने अब तक इन सीटों के लिये उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की थी। इस घोषणा के साथ ही कांग्रेस ने तेलंगाना की सभी 17 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

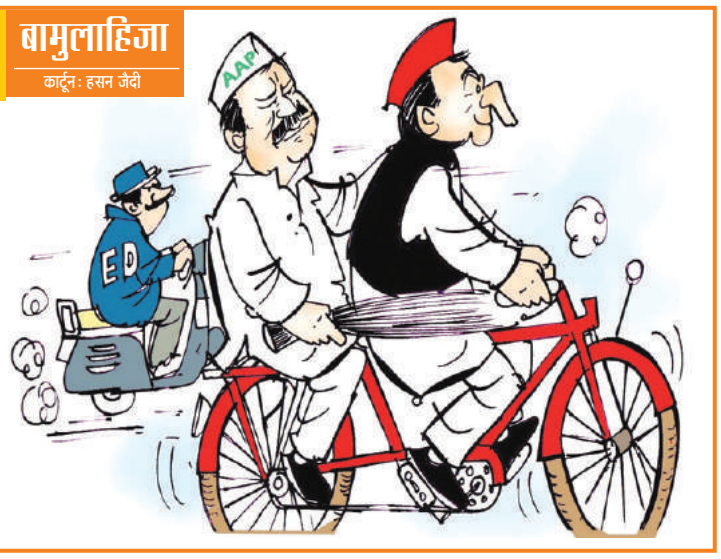

केजरीवाल से नहीं मिलने दिया जा रहा : आप

» पार्टी का आरोप- जेल प्रशासन रच रहा कुचक्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने तिहाड़ जेल प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से उनके परिवार और करीबियों को नहीं मिलने देने पर कड़ी आपत्ति जताई है। आप नेताओं का आरोप है कि केजरीवाल से जेल में न मिलने देने की साजिश रची जा रही है। बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ शिक्षा मंत्री आतिशी को मुख्यमंत्री से मिलना था। इसके लिए आतिशी ने मंगलवार को सभी नियमों का पालन करते हुए आवेदन किया, लेकिन आखिरी वक्त पर मुलाकात रद्द कर दी है।

भारद्वाज के साथ सांसद संदीप पाठक मिलने गए, लेकिन उनसे भी मुलाकात नहीं कराई गई। अकेले सौरभ भारद्वाज ही मिल सके। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह का कहना है कि वह इसके खिलाफ बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री और उपराज्यपाल को पत्र लिखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन केजरीवाल का मनोबल तोड़ना चाहता है, लेकिन वो नहीं झुकेंगे-टूटेंगे। सिंह ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर आरोप लगाया कि आखिर किस दुश्मनी का बदला केजरीवाल के परिवार और उनके चाहने वालों से ले रहे हैं। सौरभ भारद्वाज और आतिशी को केजरीवाल से मुलाकात करनी थी, लेकिन मंगलवार को आतिशी की मुलाकात रद्द कर दी गई। वहीं संजय सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार देश के लिए नहीं बल्कि अपने दोस्तों के लिये काम कर रही है। ये देश की संपत्तियों को उनके हवाले कर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी को देश की नहीं बल्कि अपने दोस्तों की चिंता है। वह अपने दोस्तों के लिए देश को नीलाम कर रहे हैं। लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे।

भारद्वाज ने जेल में की सीएम केजरीवाल से मुलाकात

उधर, केजरीवाल से जेल में मुलाकात करने के बाद सौरभ भारद्वाज ने कहा कि तिहाड़ प्रशासन से मिलने के लिए 12:30 बजे का समय लिया था। मुख्यमंत्री से करीब 30 आधे घंटे की बातचीत हुई। एक खिड़की में लगे शीशे के दूसरी तरफ केजरीवाल बैठे थे और दूसरी तरफ मैं बैठा था और एक फोन के जरिए उनसे बातचीत हो पाई। दोनों की अच्छी बातचीत हुई। केजरीवाल ने कहा है कि उनके बारे में दिल्लीवाले चिंता न करें, वो बहुत मजबूत हैं।

बसपा ने भी बदले उम्मीदवार

» भीम राजभर अब सलेमपुर से लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर का टिकट बदल दिया है। वह आजमगढ़ की जगह अब सलेमपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। वहीं, पार्टी ने भदोही से इरफान अहमद (बबलू) और हमीरपुर से निर्दोष कुमार दीक्षित को लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया है। दरअसल, पार्टी ने अपनी रणनीति में अहम बदलाव करते हुए विधानसभा उपचुनाव में भी प्रत्याशी उतारा है।

पार्टी ने शाहजहांपुर की ददरौल सीट पर होने वाले उपचुनाव में सर्वेश चंद्र मिश्रा को टिकट दिया है। गौरतलब है कि बसपा उपचुनाव में अपने प्रत्याशी नहीं उतारती रही है। लोकसभा व विधानसभा के तमाम उपचुनाव के दौरान बसपा ने अपने प्रत्याशी बीते कई वर्षों के दौरान नहीं उतारे हैं। पार्टी की रणनीति में हुए इस बदलाव के सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। जानकारों के मुताबिक बसपा के उपचुनाव में उतरने से ददरौल सीट पर अन्य दलों के प्रत्याशियों के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। बता दें कि ददरौल सीट पर भाजपा ने अपने दिवंगत विधायक मानवेंद्र सिंह के बेटे अरविंद सिंह को प्रत्याशी बनाया है। वहीं इंडिया गठबंधन ने अवधेश वर्मा को टिकट दिया है।

दक्षिण में कमल को मसलेगा हाथ

राजग-बीजेपी व इंडिया-कांग्रेस में कड़ी टक्कर

- दूसरे चरण के चुनाव में होगी वोटिंग
- कर्नाटक में कांग्रेस को रहना होगा सतर्क
- राहुल व चंद्रबाबू पर होगी नजर
- चुनावी सभाओं में नेता लगा रहे जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिण भारत में पहले चरण में तमिलनाडु में वोटिंग हो चुकी है। वहां 19 अप्रैल को मतदान संपन्न हो चुका है। इस दक्षिणी राज्य में 70 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई है। इस तरह की बंपर वोटिंग ने सत्ता में बैठी डीएमके समेत कांग्रेस व बीजेपी की धुकधुकी बढ़ा दी है। सत्ता पक्ष बता रही है कि यह जनता का वर्तमान सरकार पर भरोसे का परिणाम है कि घरों अधिक मात्रा में लोग निकले और पोलिंग बूथ पर पहुंचे जबकि विपक्षी बीजेपी कह रही है ये सत्ता के बदलाव का संकेत हैं। खैर जो भी होगा वह 4 जून को पता चल जाएगा। उधर आकड़ों के अनुसार वैसे तो दक्षिण में बीजेपी कोई जनाधार नहीं है पर वह वहां जी-जान से लड़ रही है। वहां पर द्रविड़ राजनीति का बोलबाला है ऐसे में वहां की दोनों प्रमुख पार्टियों को मात देना किसी भी उत्तर भारतीय दल के लिए आसान नहीं होगा। अब दक्षिण में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना व केरल में कांग्रेस , बीजेपी में जोर आजमाईश जारी है।

कर्नाटक में लोकसभा चुनावों के बाद बड़ा राजनीतिक बवाल होने के आसार दिख रहे हैं। दरअसल हमने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान पाया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच का तनाव जमीन पर महसूस किया जा सकता है। बेंगलुरु ग्रामीण संसदीय क्षेत्र से डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश पिछले 15 साल से सांसद हैं। 2014 और 2019 की मोदी लहर में भी वह बेंगलुरु ग्रामीण क्षेत्र से जीतने में सफल रहे थे। लेकिन इस बार उनके खिलाफ नाराजगी साफ महसूस की जा सकती है। कहा जा रहा है कि यदि डीके सुरेश चुनाव हारते हैं तो यह डीके शिवकुमार के लिए बड़ा झटका होगा और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए बड़ी राहत होगी। लेकिन डीके शिवकुमार भी पूरी तल्लीनता के साथ अपने भाई को जिताने में लगे हुए हैं। क्षेत्र में तमाम तरह के सामान बांटे जाने संबंधी चर्चा हमने लोगों से सुनी, खुद डीके शिवकुमार का भी एक बयान सुर्खियों में आया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा भी इस क्षेत्र में कराई गयी लेकिन फिर भी जनता इस बार बदलाव के मूड में दिखी और अधिकांश लोगों का कहना था कि डीके सुरेश क्षेत्र में दिखते ही नहीं हैं।

वायनाड में राहुल को घेरने में जुटी भाजपा

केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र के हरे-भरे परिदृश्य 26 अप्रैल को एक नाटकीय राजनीतिक लड़ाई का मंच होंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी उस सीट से फिर से चुनावी मैदान में हैं। इस बार उन्होंने भाजपा और वाम दलों से कड़ी टक्क र मिल रही है। भाजपा ने वायनाड में अपनी पूरी ताकत लगा दी है। इन सब के बीच तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष के अन्नामलाई ने दावा किया कि भाजपा वायनाड में जीतने जा रही है। वायनाड में अपने रोड शो के दौरान उन्होंने कहा कि के सुरेंद्रन इस अंतर से जीतेंगे। वह यहां राहुल गांधी को हराने के लिए नहीं हैं, वह यहां लोगों की सेवा करने के लिए हैं। युवा नेता ने लोगों से सवाल किया कि क्या राहुल गांधी यह बताने के लिए श्वेत पत्र पेश कर सकते हैं कि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में वायनाड के लिए क्या किया है? उन्होंने 10 से भी कम बार वायनाड का दौरा किया है और अब वह सिर्फ चुनाव के लिए आये हैं। वायनाड के लोग एक ऐसा धरती पुत्र चाहते हैं जो बागान श्रमिकों के साथ खड़ा हो सके और यहां जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्षेत्र में केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू कर सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर रोज अपने आर्थिक मॉडल को कोई न कोई आकार देती है। राहुल गांधी संसाधनों के पुनर्वितरण की बात करते हैं, वह एक वित्तीय सर्वेक्षण और एक संस्थागत सर्वेक्षण करना चाहते हैं। सैम पित्रोदा के बयान को लेकर भी उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। अन्नामलाई ने कहा कि सैम पित्रोदा ने एक कदम आगे बढ़कर कहा है कि संपत्ति का 55त्न हिस्सा सरकार विरासत कर के रूप में लेगी। यहां तक कि अमेरिका में भी यह 6-7 राज्यों में है... इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि कांग्रेस की मानसिकता क्या है। वे जिस आर्थिक मॉडल की तैयारी कर रहे हैं उसका स्वरूप सामने आ रहा है, और सैम पित्रोदा ने स्थिति स्पष्ट कर दी है... लोगों को अपने घरों में वित्तीय सर्वेक्षण क्यों होने देना चाहिए... क्या कांग्रेस स्पष्ट कर सकती है कि राहुल गांधी ने क्या कहा? ...मंगलसूत्र हर परिवार की संपत्ति है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल वही बात की जो राहुल गांधी और सैम पित्रोदा ने कही थी।

एचडी कुमारस्वामी की शाख पर भी नजर

हम आपको बता दें कि बेंगलुरु ग्रामीण के अंतर्गत आने वाले चेन्नापटना विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी विधायक हैं। इस क्षेत्र में जद-एस का काफी प्रभाव माना जाता है। इस बार भाजपा और जद-एस मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं इसलिए सीट बंटवारे के तहत यह सीट भाजपा के खाते में आई है। भाजपा ने यहां से देश के मशहूद हृदय चिकित्सक सीएन मंजूनाथ को अपना उम्मीदवार बनाया है। डॉ. सीएन मंजूनाथ पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के दामाद और एचडी कुमारस्वामी के बहनोई हैं। इसलिए भले डॉ. मंजूनाथ भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन वह देवेगौड़ा परिवार के सदस्य ही हैं। जब हमने उनसे बात की तो उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के जो हालात हैं उसको देखते हुए इसे एक डॉक्टर की जरूरत है और मैं इस क्षेत्र के सांसद के नाते यहां सभी समस्याएं सुलझाने के लिए तैयार हूँ।

आंध्र प्रदेश में हो सकता बदलाव

आंध्र प्रदेश अपनी संस्कृति के लिए जाना जाता है। यह भारत का सातवां और आबादी के मामले में 10वां सबसे बड़ा राज्य है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य में हिंदू समुदाय बहुसंख्यक है। राज्य की कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 88.46 फीसदी है। भारत के दक्षिणी भाग में स्थित आंध्र प्रदेश सातवां सबसे बड़ा राज्य है और इसका गठन 1 नवंबर 1956 को हुआ था। यह एक ऐसा राज्य है, जो संस्कृति और इतिहास से समृद्ध है। यह दक्षिण में तमिलनाडु, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम में कर्नाटक भारतीय राज्यों से घिरा है। इस राज्य की आबादी करीब 50 मिलियन के आसपास है। साथ ही यह इस राज्य के पास अपनी एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी है। आंध्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था काफी हद तक कृषि पर आधारित है। आंध्र प्रदेश भारत के आर्थिक रूप से मजबूत राज्यों में से एक है जो कृषि% और पशुधन से पर्याप्त मात्रा में लाभ कमाता है। बता दें कि साल 2019-2020 में प्रदेश की अर्थव्यवस्था 12.14 फीसकी तक बढ़ी। प्रदेश की 60 प्रतिशत आबादी कृषि और संबंधित गतिविधियों में लगी हुई है। राज्य में 13 जिले हैं। इस राज्य को भारत का धान का कटोरा भी कहा जाता है। राज्य में दो प्रमुख नदियां कृष्णा और गोदावरी हैं।

डीके की लोकप्रियता से घबराई बीजेपी

दूसरी ओर, हाल ही में भाजपा ने डीके शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए उन्हें कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची से बाहर कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की थी। भाजपा का आरोप था कि डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु दक्षिण और राजराजेश्वरीनगर विधानसभा क्षेत्रों में अपार्टमेंट निवासियों से कावेरी जल आपूर्ति तथा अन्य कार्यों के बदले में सुरेश को वोट देने के लिए कहा था। क बेंगलुरु ग्रामीण संसदीय क्षेत्र में 8 विधानसभा क्षेत्र- कुनिगल, अनेकल, मगदी, रामानगरम, कनकपुरा, चन्नापटना, राजराजेश्वरीनगर और बेंगलुरु दक्षिण शामिल हैं। बेंगलुरु ग्रामीण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। कांग्रेस के डीके सुरेश ने 2019 के संसदीय चुनाव में बीजेपी के अश्वथनारायणगौड़ा को हराया था।

उस चुनाव में कांग्रेस को 54.15त्न और भाजपा को 41.4त्न वोट मिले थे। देखना होगा कि बेंगलुरु ग्रामीण संसदीय क्षेत्र से क्या डीके सुरेश जीत का चौका लगा पाते हैं या इस बार इस क्षेत्र में कमल खिलता है। बहरहाल, एक बात तो साफ है कि यदि डीके सुरेश हारे तो उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं और यदि डीके सुरेश जीते तो अपनी बढ़ी हुई ताकत को देखते हुए भी डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे ही। जाहिर है, लोकसभा चुनावों के बाद कर्नाटक की राजनीति में नया घटनाक्रम देखने को मिल सकता है।

पीने का पानी बन सकता है बड़ा मुद्दा

इस ग्रामीण क्षेत्र में पीने का साफ पानी नहीं मिलना एक बड़ी समस्या है। ऐसे में बीजेपी समेत कई दल इसे मुद्दा बनाना चाहते हैं। लोगों ने बताया कि कर्नाटक में कांग्रेस ने पांच गारंटियों की बात जरूर की थी लेकिन वह सब हवा-हवाई ही रही। लोगों ने कहा कि हमारा बिजली बिल माफ नहीं हुआ, ना ही कम हुआ। दुग्ध उत्पादकों का कहना था कि हमारे से जो वादे किये गये थे वह भी पूरे नहीं हुए इसलिए हम इस बार बदलाव लाएंगे। हमने अपनी यात्रा के दौरान यह महसूस किया कि इस क्षेत्र में भाजपा और जनता दल सेक्युलर का गठबंधन होने का काफी असर नजर आ रहा है क्योंकि एक तो इस इलाके में देवेगौड़ा परिवार का प्रभाव माना जाता है। दूसरा भाजपा उम्मीदवार देवेगौड़ा परिवार से ही हैं और वह जिस तरह अपने सेवा कार्यों की बदौलत इस क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं उसका फायदा उन्हें चुनावों में हो सकता है। लोगों ने हमसे यह भी कहा कि एक ओर जहां डॉ. मंजूनाथ बड़ी सौम्यता से व्यवहार करते हैं वहीं डीके सुरेश थोड़े अख्खड़ स्वभाव के हैं।

25 सीटों पर जातीय समीकरण भी करेगा प्रभावित

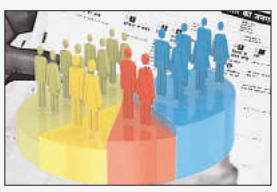

बता दें कि आंध्र प्रदेश अपनी संस्कृति के लिए जाना जाता है। यह भारत का सातवां और आबादी के मामले में 10वां सबसे बड़ा राज्य है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य में हिंदू समुदाय बहुसंख्यक है। राज्य की कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 88.46 फीसदी है। तो वहीं कुल आबादी में मुस्लिम आबादी 9.56 फीसदी है। इसके अलावा ईसाईयों की संख्या 11.30 लाख है। आंध्र प्रदेश में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी हैं। राज्य में लोकसभा की 25 सीटें आती हैं और राज्यसभा के लिए 11 सांसद चुने जाते हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में विधानसभा की 175 सीटें हैं। वर्तमान समय में राज्य में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार है। वहीं वाईएसआरसीपी के नेता वाईएस जगन मोहन रेड्डी राज्य के मुख्यमंत्री हैं। अनुमानित जनसंख्या- 91,702,478, पुरुषों की अनुमानित जनसंख्या- 46,012,282,महिलाओं की अनुमानित जनसंख्या- 45,690,196, लोकसभा सीटें- 25, विधानसभी सीटें- 175।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ईवीएम और वीवीपैट में न हो घुसपैठ!

अभी देश में आम चुनाव चल रहे हैं। एक चरण की वोटिंग हो चुकी है। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को होने हैं। इसबार फिर चुनाव ईवीएम से हो रहे हैं। ईवीएम व वीवीपैट को लेकर कई बार सत्ता पक्ष व विपक्ष में तीखी बहस इस बात के लिए होती रहती है यह सही है या गलत। विपक्ष का दावा है ईवीएम को हैक किया जा सकता है जबकि चुनाव आयोग का कहना है यह संभव नहीं है। इन्ही सब बातों को लेकर मामला देश की शीर्ष अदालत तक पहुंचा है। इस पर सुनवाई हुई और अदालत ने आयोग से पूरा डिटेल रिपोर्ट मांगी। जिसको देखने के बाद अदालत फैसला देगा पर प्रथम दृष्या उसके यह टिप्पणी जरूर की कि हर चीज पर शक नहीं किया जा सकता है। वहीं ईवीएम व वीवीपैट का मुद्दा निश्चित रूप से अहम है और पुराना भी है । इवीएम के जरिए वोटिंग की शुरुआत 2004 के लोकसभा चुनावों में हुई थी। तब से सरकारें बदलती रहीं, लेकिन ईवीएम की गड़बड़ियों के आरोप लगते रहे। इस बार सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह बात पहले ही स्पष्ट कर दी कि बैलट पेपर की ओर वापसी का विकल्प नहीं है। लेकिन उसने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता और उसकी विश्वसनीयता से किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता।

ईवीएम ककी विश्वसनीयता के सवाल से जूझते हुए ही 2013 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से वीवीपैट लाया गया। इससे मतदाताओं को यह देखने का मौका मिलता है कि उनका वोट उसी को गया है जिसे वह देना चाहते थे। इसने निश्चित रूप से ईवीएम की विश्वसनीयता बढ़ाने वाले एक टूल के रूप में अपनी जगह बनाई है, लेकिन विवाद का कोई सर्वमान्य हल उसके बाद भी नहीं निकल सका। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) के साथ ईवीएम का उपयोग करके डाले गए सभी वोटों के सत्यापन की मांग वाली याचिकाओं पर बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। चुनाव आयोग के अधिकारी से कुछ सवालों पर स्पष्टीकरण मांगने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया। चुनावी प्रणाली में मतदाताओं की संतुष्टि और विश्वास के महत्व को सर्वोपरि मानते हुए शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं से कहा था कि हर बात पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए। वीवीपैट के साथ डाले गए वोटों के सत्यापन की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने मौजूद ईसीआई अधिकारी ने ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली के बारे में बताया था। उससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की आलोचना करने वालों की निंदा की थी। कोर्ट ने कहा था कि देश में चुनाव कराना एक बड़ी चुनौती है, ऐसे में हमें सिस्टम को पीछे की तरफ नहीं ले जाना चाहिए। कुल मिलाकर वोटिंग किसी भी प्रणाली से हो व विश्वसनीय व निष्पक्ष होने चाहिए।

“ विपक्ष का दावा है ईवीएम को हैक किया जा सकता है जबकि चुनाव आयोग का कहना है यह संभव नहीं है। इन्ही सब बातों को लेकर मामला देश की शीर्ष अदालत तक पहुंचा है। इस पर सुनवाई हुई और अदालत ने आयोग से पूरा डिटेल रिपोर्ट मांगी। जिसको देखने के बाद अदालत फैसला देगा पर प्रथम दृष्या उसके यह टिप्पणी जरूर की कि हर चीज पर शक नहीं किया जा सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एआई के प्रसार से बढ़ा जैविक हथियारों का खतरा

मुकुल व्यास

दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जोर बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जड़ें फैला रही है। हालांकि स्वास्थ्य, विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में इसके नवीनतम प्रवेश ने उत्साह के साथ-साथ कुछ चिंता पैदा भी की है। क्या एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन किसी दिन जैविक हथियारों की तरह खतरा पैदा कर सकते हैं? यह उन शोधकर्ताओं के मन में सवाल है जो अब प्रोटीन डिजाइन प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों की वकालत कर रहे हैं। पूरी तरह से नए प्रोटीन का मंथन करने में सक्षम एआई टूल किसी साइंस फिक्शन फिल्म की तरह लगते हैं, लेकिन यह आज एक वास्तविकता है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर सहित कई वैज्ञानिक विशिष्ट कार्यों के लिए प्रोटीन डिजाइन करने के लिए एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं।

एआई के प्रोटीन डिजाइन का उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने से लेकर दवाओं की लक्षित डिलीवरी के लिए किया जा रहा है। इसके उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं। हालांकि, संभावित खतरे भी बहुत चिंताजनक हैं। इन चिंताओं को दूर करने के लिए बेकर और अन्य शोधकर्ताओं ने प्रोटीन डिजाइन में एआई के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की है। उनका लक्ष्य सरल है। वे इस शक्तिशाली टूल को गलत हाथों में पड़ने या गलत तरीके से दुरुपयोग होने से रोकना चाहते हैं। बेकर का ग्रुप अपने प्रयास में अकेला नहीं है। दुनियाभर के विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हो रहे हैं कि जैव प्रौद्योगिकी में एआई के उपयोग के साथ समुचित सुरक्षा उपाय होने चाहिए। इस तरह के स्वैच्छिक दिशानिर्देश सही दिशा में स्वागतयोग्य कदम हैं। हालांकि, कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए अधिक ठोस उपायों की आवश्यकता है। अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के वैश्विक स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ मार्क डायबुल ने इन स्वैच्छिक प्रयासों के साथ-साथ सरकारी हस्तक्षेप के महत्व पर भी जोर दिया है।

जब सार्वजनिक सुरक्षा के मामलों की बात आती है, तो अनुपालन और जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए एक नियामक ढांचा आवश्यक हो जाता है। हमें सरकारी कार्रवाई और नियमों की जरूरत है। केवल स्वैच्छिक

मार्गदर्शन से काम नही चलेगा। जैविक युद्ध में एआई के संभावित खतरों की तरफ इशारा करने वाली हालिया रिपोर्टों से भी इस मुद्दे पर तत्काल विचार करना जरूरी हो गया है। अल्फाफोल्ड जैसे एआई प्रोग्राम के साथ प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी करना आसान हो गया है। चिंता की बात यह है कि ये प्रौद्योगिकियां अनजाने में खतरनाक रोगजनकों या विषाक्त पदार्थों के निर्माण की सुविधा प्रदान कर सकती हैं। एआई से डिजाइन किए गए प्रोटीन के संभावित लाभ बहुत अधिक हैं। अगर वे गलत हाथों में पड़ जाएं तो जोखिम भी बहुत हैं। लेकिन बेकर का कहना है कि एआई क्षेत्र के विनियमन के लिए सरकारी कानून बहुत कड़े नहीं होने चाहिए। कड़े नियम उन दवाओं, टीकों और सामग्रियों के विकास को सीमित कर सकते हैं जो एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन से उत्पन्न हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई-जनित खतरों से बचाव के लिए ऐसे एआई मॉडल होने चाहिए जो समय पर इन खतरों का पता लगा सकें। एआई और जैव प्रौद्योगिकी का मिलन नए खतरे पैदा कर रहा है। इससे विशिष्ट जनसांख्यिकीय समूहों सहित बड़ी आबादियों के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा हो सकता है। जैविक हथियार संहिता की कार्यान्वयन सहायता इकाई के समक्ष इन खतरों के शमन के उपायों के समन्वय में मुख्य जिम्मेदारी है। लेकिन दुर्भाग्य से इस इकाई के पास पर्याप्त साधन नहीं है। इसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। यह सही है कि एआई हमें जीव विज्ञान की सभी जटिलताओं को समझने में सक्षम बना रही है। इससे हमें मानवता की कुछ सबसे गंभीर चुनौतियों को हल करने के लिए अरबों वर्षों के विकास का उपयोग करने का अवसर मिल रहा है।

एआई लाइलाज बीमारियों को ठीक करने से लेकर जीवाश्म ईंधन के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने जैसी कई चुनौतियों से निपटने में मदद कर रही है। सकारात्मक प्रभाव की इस विशाल क्षमता के साथ बड़े और नए खतरे भी आते हैं। एआई का उपयोग लंबे समय से दवा की खोज के लिए किया जाता रहा है। इसके जरिए सबसे कम विषाक्तता वाले चिकित्सीय अणु की खोज की जाती है। जब वैज्ञानिकों की एक टीम ने विषाक्तता को बढ़ाने के लिए निर्धारित मानदंड को उलट दिया, तो एल्गोरिदम ने न केवल वीएक्स (अस्तित्व में सबसे शक्तिशाली जहरों में से एक) उत्पन्न किया, बल्कि नए विषाक्त पदार्थों को भी उत्पन्न किया, जिनके अधिक विषाक्त होने की भविष्यवाणी की गई थी।

डबल कमाई पर संतान की सोच रास न आई

क्षमा शर्मा

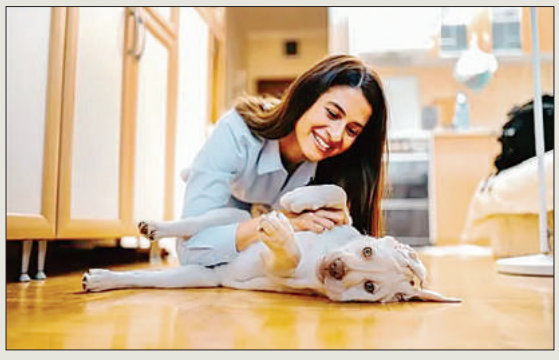

यह पांच साल पहले की बात होगी। एक मित्र जिससे बहुत दिनों बाद बात हो रही थी, उससे घर-परिवार के बारे में भी बातें होने लगीं। होते-होते बात बच्चों और उनके परिवार पर आई, तो मित्र ने कहा कि उसके लड़के और बहू ने फैसला किया है कि वे बच्चे नहीं चाहते। 'ऐसा क्यों' पूछने पर उसने कहा कि वे कहते हैं कि वैसे ही देश की आबादी बहुत है। फिर बच्चे की जिम्मेदारी कौन उठाए। जीवन भर की जिम्मेदारी उठाने से बेहतर है कि कोई जिम्मेदारी न उठाई जाए और बच्चे पैदा न किए जाएं। कुछ दिन पहले एक बहुत बड़े बहुराष्ट्रीय निगम में काम करने वाली परिचित लड़की से फोन पर बात हो रही थी। उसकी शादी को बारह साल हो गए मगर उसका कहना है कि उन्हें बच्चा नहीं चाहिए। डिंक इनकम ग्रुप यानी जहां पति-पत्नी दोनों कमाते हैं, वहां ये चलन बढ़ता जा रहा है।

ये लोग खुद को चाइल्ड फ्री कहलाना पसंद करते हैं। अपने निर्णय पर इन्हें कोई पछतावा भी नहीं है। इनका मानना है कि बच्चे को पालना एक महंगा सौदा है। वह सही स्कूल में पढ़े, उसका ठीक से विकास हो इस पर भी बहुत परिश्रम करना पड़ता है। कई लोग अपने इस तरह के जीवन को बढ़ा-चढ़ाकर प्रसारित-प्रचारित भी करते हैं। एक जोड़े ने सोशल मीडिया पर बताया था कि उनके बच्चे नहीं हैं, मगर उन्होंने छह डॉग पाल रखे हैं। वे उनकी देखभाल करते हैं। ये जोड़े अपने पैसे को अपनी जिंदगी की खुशियों पर खर्च करना चाहते हैं। खूब घूमना-फिरना चाहते हैं। जहां मर्जी आए, जब मर्जी हो उस काम को करने की आजादी है। सिर पर यह भार नहीं है कि पीछे से कोई बच्चा इंतजार कर रहा होगा, इसलिए घर लौटना है। ऐसी जिंदगी बहुत तनाव मुक्त होती है और हमेशा आजादी का अहसास कराती है। ऐसे लोग अपने मन बहलाव के लिए श्वान पालते हैं, बिल्ली पालते हैं। यह लेखिका स्विट्जरलैंड में भी एक ऐसी महिला से मिली थी, जो छप्पन साल की थी। मगर उसने बच्चे न पैदा करने का निर्णय लिया था। उसने पांच बिल्लियों को पाल रखा था। वह इन बिल्लियों को डॉक्टर के पास ले जाने से लेकर उन्हें नहलाना-धुलाना, शैंपू करना, उनके बाल कटवाना, यहां तक कि वे अकेला महसूस न करें इसका इंतजाम तक करती थी।

शायद यही कारण है कि भारत में बहुत सी कम्पनियां अब अपने-अपने पालतुओं को दफ्तर लाने की अनुमति दे रही हैं। हां, इन्हें लाने से आपके काम में कोई बाधा नहीं पड़नी चाहिए और ये किसी को नुकसान भी न पहुंचाएं। इन दिनों यह बात भी देखने में आती है कि लड़कियां ज्यादा पैसे कमा रही हैं। इनमें से कइयों का कहना है कि उनके अंदर मां बनने की कोई प्राकृतिक इच्छा नहीं है। एक लड़की जो आये दिन विदेश जाती है, उसका कहना है कि न शादी से पहले व न शादी के बाद वह मां बनना चाहती थी। उसने भी एक डॉगी पाल रखा है लेकिन उसका कहना है कि मैं उसकी मां नहीं हूं। मैं किसी की मां नहीं बनना चाहती। लड़कियां जरूरी तौर पर मां बनें, यह बात अब पुरानी हो चली है।

ये युवा पर्यावरण के बारे में सोचते हैं। संगीत और बहुत से शेरो-शायरी को भी पसंद करते हैं। इनका यह भी कहना है कि वे इसलिए भी बच्चे पैदा नहीं करना बेहतर समझते हैं क्योंकि कोई आनुवंशिक बीमारी उन्हें नहीं सौंपना चाहते। इनमें से अधिकांश यह भी मानते हैं कि वे अपने कामकाज में इतने व्यस्त हैं कि बच्चे पालने का समय ही नहीं है। एक जोड़े ने यह भी बताया कि कोविड के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं। पता नहीं कब तक कौन है। इसके अलावा न नौकरियों का भरोसा है। ऐसे में बच्चे की जिम्मेदारी लेना ठीक नहीं है। इस जोड़े के पास एक कुत्ता और एक बिल्ली है। ये जब भी अपनी कार से लम्बी यात्राएं करते हैं, अपने पालतुओं को साथ ले जाते हैं। पिछले दिनों एक मार्केटिंग फर्म ने सर्वे के दौरान बताया था कि भारत में डिंक यानी डबल इनकम ग्रुप की संख्या हर साल तीस प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। महिलाएं कम बच्चों को जन्म दे रही हैं। भारत में प्रजनन दर भी तेजी से घट रही है। साल 1950 में यह 6.2 थी जो अब घटकर 2 रह गई है। इसका एक बड़ा कारण महिलाओं का घर से निकलना है। फिर परिवार नियोजन के साधनों ने दम्पतियों को यह सुविधा प्रदान की है कि वे माता-पिता बनें या न बनें या कब बनें। बहुत से ऐसे जोड़े भी हैं जो कहते हैं कि बच्चे को दुनिया में लाकर अगर जिम्मेदारी ही पूरी करनी है तो क्यों न दूसरी जिम्मेदारियां निभाएं, जैसे कि बुजुर्गों की देखभाल करें। दिव्यांगों की मदद करें। पेड़ लगाएं और पर्यावरण को बचाएं। बच्चे नहीं हैं, इस बात का इन्हें गर्व है।

ऊपर जिन लोगों का जिक्र है ऐसे सब लोगों की बातें सुनकर यह लगता है कि शायद इन्हें इस बात का अहसास नहीं है कि नौकरियां हमेशा नहीं रहेंगी। एक दिन ऐसा आएगा कि जब रिटायर्ड जीवन बिताना होगा। शरीर में भी तब तक इतनी ताकत नहीं बचेगी कि रोज कहीं घूमने जा सकें, दोस्तों के साथ पार्टियां कर सकें। यहां तक कि अकेले अपने बल पर अपने पालतुओं की देखभाल भी कर सकें। तब क्या होगा। बीती हुई उम्र वापस नहीं आएगी। रिटायर्ड जीवन की बदली परिस्थितियों के चलते आने वाली चुनौतियों की बात सुनकर इनमें से बहुत से कहते हैं कि उन्हें इस बात का अहसास है कि बुढ़ापे में उनका क्या होगा। कौन उनकी देखभाल करेगा। कुछ ये भी कहते हैं कि कौन बच्चे आजकल माता-पिता की देखभाल कर पाते हैं। करना भी चाहें, तो उनके पास समय नहीं है।

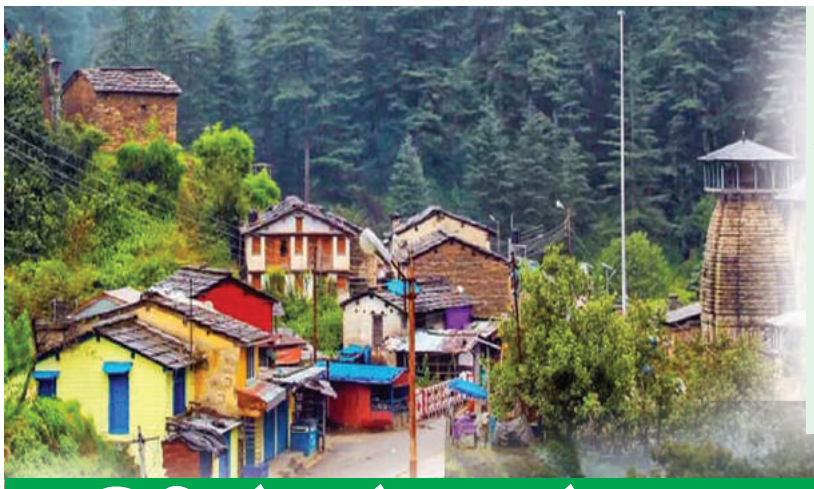

अल्मोड़ा

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में मौसम हमेशा काफी खुशनुमा रहता है। अगर आप कुछ दिन शांति से बिताना चाहते हैं, तो अल्मोड़ा जाकर अपने दोस्तों या परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकते हैं। ये जगह वाकई काफी खूबसूरत है। अल्मोड़ा जिला अपने प्राचीन धार्मिक स्थलों व स्थापत्य के लिए प्रसिद्ध है। यहां स्थित मंदिर हिमालय की देव-संस्कृति का परिचायक हैं। धर्म व आस्था का पवित्र संगम आपको अल्मोड़ा जिले के हर कोने में नजर आऐगा। देश-विदेश से हर वर्ष लाखों श्रद्धालुगण अल्मोड़ा की धार्मिक यात्रा पर आते हैं एंव सात्विक ऊर्जा के साथ अपने गंतव्य को लौट जाते हैं। अब हम अल्मोड़ा के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के विषय में जानेगें।

गर्मियों में करें यहां की सैर

अप्रैल के महीने की शुरुआत होने वाली है। ये ऐसा समय होता है, जब गर्मी भी अपना असर दिखाने लगती है। ऐसा माना जाता है कि यदि आप कहीं घूमने जाना चाहते हैं, तो अप्रैल का महीना इसके लिए सबसे परफेक्ट होता है। अप्रैल के महीने में न तो ज्यादा सर्दी पड़ती है, और न ही ज्यादा गर्मी। ऐसे में ये महीना घूमने के लिए सबसे सही रहता है। इस महीने में भारत के कई महीने काफी गर्म हो जाते हैं, लेकिन कई जगहें ऐसी भी हैं, जो इस महीने में भी न तो ज्यादा गर्म होती हैं और न ही ज्यादा ठंडी। ऐसे में अगर आप अप्रैल के महीने में कहीं घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो इन जगहों पर आप अपने परिवार, दोस्तों के साथ जा सकते हैं। अगर चाहें तो आप इन जगहों पर सोलो ट्रिप पर भी जा सकते हैं।

ऊटी

तमिलनाडु के इस पहाड़ी शहर का तापमान अप्रैल में 22 डिग्री से अधिकतम 27 डिग्री तक रहता है। ऐसे में आप आराम से यहां बिना सर्दी या गर्मी से परेशान हुए घूम सकते हैं। यहां के नजारे काफी प्राकृतिक होते हैं।

पहाड़ों की रानी मसूरी

पहाड़ों की रानी मसूरी जाने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। अप्रैल में मसूरी में तापमान 14°C से 29°C के बीच रहता है। यहां घूमने के लिए काफी जगहें हैं। ऐसे में आप आराम से कुछ दिन यहां गुजार सकते हैं। प्रकृति की गोद में बसा दलाई हिल्स मसूरी का एक कम प्रसिद्ध स्थान है। यह प्रसिद्ध लाल बहादुर शास्त्री अकादमी से कुछ मीटर आगे है। आप हैप्पी वैली में स्थित शेडुप चोरफेलिंग मंदिर (बुद्ध मंदिर) से 400 मीटर की ट्रैकिंग करके यहां पहुंच सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आप अपने किराए के स्कूटर से भी गाड़ी चला सकते हैं।

चेरापूंजी और गंगटोक

मेघालय में स्थित चेरापूंजी बेहद ही खूबसूरत स्थान है। अप्रैल में चेरापूंजी का तापमान 13°C से 23°C के बीच रहता है। यहां हर दिन सैंकड़ों पर्यटक घूमने आते हैं। ऐसे में आप भी अप्रैल के महीने में यहां घूमने का प्लान कर सकते हैं। सिक्किम की राजधानी गंगटोक की खूबसूरती की चर्चा दूर-दूर तक होती है। अप्रैल के महीने में गंगटोक का तापमान 16.6°C से 21.1°C तक रहता है। ऐसे में अगर आप चाहें तो यहां जाने का प्लान बना सकते हैं।

डलहौजी

हिमाचल प्रदेश में स्थित डलहौजी इतना खूबसूरत स्थान है कि अगर आप यहां गए तो कुछ दिन तक तो आपका वापस आने का मन नहीं करेगा। अप्रैल में डलहौजी में तापमान 14.0°C से 3.5°C के बीच रहता है। इस हिसाब से वहां आपको ठंडक का एहसास होगा।

हंसना मना है

टीटू - स्टेशन जाने का कितना लोगे?
रिक्शावाला - 50, टीटू- 20 ले लो...
रिक्शावाला - 20 में कौन ले जाएगा?
टीटू- तुम पीछे बैठो हम ले जाएंगे।

मम्मी : पेपर कैसा था? बेटा : पतला सा था, सफेद रंग का, मम्मी : मेरा मतलब है कि पेपर कैसा हुआ? बेटा : फिफ्टी- फिफ्टी, मम्मी : मैं समझी नहीं? बेटा : जो पेपर में लिखा था वह मेरी समझ में नहीं आया, लेकिन मैंने जो कापी में लिखा है, वह जांचने वाले की समझ में नहीं आएगा।

बस स्टैंड पर खड़ी पड़ोस की लड़की से फिल्मी स्टाइल में पप्पू बोला... प... प... प...प्रिया...तेरी आंखों में मुझे मेरी पत्नी नजर आ रही है... लड़की- थप्पड़ लगाकर बोली...सूरत देखी है? पप्पू: नहीं, बस एक बार अहमदाबाद तक गया हूं।

पतलू- भाई कहां जा रहे हो? मोटू- यार, सुना है सोने में भारी गिरावट आई है, तो सोने जा रहा हूं, पतलू- तुझसे ऐसा किसने कहा? मोटू- अरे कल ही न्यूज में सुना, सोने में काफी गिरावट आई है पहले लोग 6 घंटे सोते थे अब मोबाइल फोन के कारण 5 घंटे ही सोते हैं।

कहानी | लोमड़ी और सारस की दावत

बहुत पुरानी बात है, एक जंगल में एक लोमड़ी और एक सारस रहते थे। ये दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे। सारस रोजाना लोमड़ी को तालाब से मछली पकड़ कर खाने के लिए देता था। इस प्रकार दोनों की दोस्ती बहुत गहरी होती चली गई। सारस बहुत सीधा साधा था, लेकिन लोमड़ी बहुत शैतान और चालाक थी। वह हमेशा दूसरों को परेशान किया करती थी। उसे दूसरों का अपमान करने और मजाक उड़ाने में बहुत मजा आता था। एक दिन उसने सोचा कि क्यों न एक बार सारस का भी अपमान किया जाए और उसका मजाक उड़ाया जाए। ऐसा सोचकर उसने सारस को दावत पर बुलाया। उसने जान बूझकर सूप एक प्लेट में परोसा। उसे पता था कि सारस प्लेट में से सूप को नहीं पी सकता। उसे सूप न पीता देख लोमड़ी मन ही मन बहुत खुश हुई और झूठी चिंता दिखाते हुए सारस से पूछने लगी कि क्या बात है मित्र सूप पसंद नहीं आया क्या? सारस बोला नहीं मित्र, यह तो बहुत स्वादिष्ट है। सारस ने जब देखा कि सूप को प्लेट में परोसा गया है और लोमड़ी जान बूझकर उससे सवाल कर रही है, तो वह सब समझ गया, लेकिन कुछ नहीं बोला। उस दिन सारस को अपमान सहने के साथ ही भूखा भी रहना पड़ा, लेकिन जाते-जाते सारस ने भी उसे अपने यहां दावत पर बुलाया और लोमड़ी दूसरे ही दिन सारस के घर दावत पर पहुंच गई। सारस ने भी दावत में सूप बनाया था और लोमड़ी के साथ लंबी चोंच वाले अन्य पक्षियों को भी बुलाया था। सारस ने सूप को सुराही में परोसा। सुराही का मुंह इतना छोटा था कि उसमें बस चोंच ही अंदर जा सकती थी। लोमड़ी पूरा टाइम सुराही और अन्य सभी पक्षियों को सूप पीते देखती रही। इसी बीच सारस ने पूछा कि क्या बात है मित्र सूप अच्छा नहीं लगा क्या, लोमड़ी को अचानक अपने शब्द याद आ गए। सभी बोले कि सूप बहुत स्वादिष्ट है। लोमड़ी को भी सभी की हां में हां मिलाना पड़ा। यह सब देख लोमड़ी अपने आप में बहुत अपमानित महसूस कर रही थी, लेकिन कुछ कह नहीं सकी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है।

वृषभ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा।

कर्क

क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कन्या

मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी।

तुला

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी।

वृश्चिक

वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

धनु

नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी।

मकर

नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ

कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

हर मां मॉम गिल्ट से गुजरती है : सोनम कपूर

सोनम कपूर और आनंद आहूजा अपने बेटे वायु को पाकर बेहद खुश हैं। एक्ट्रेस ने बेटे वायु को 22 अगस्त 2022 में जन्म दिया था। सोनम मदरहुड एन्जॉय कर रही हैं। उनका कहना है कि वो हर दूसरी मां की तरह अपने बेटे के बेहद करीब हैं और बच्चे का ख्याल रखने के साथ-साथ काम पर भी ध्यान देने की कोशिश कर रही हैं। एक्ट्रेस ने हेल्थ के हिसाब से अपने आप को फिट कर लिया है। साथ ही अपनी जिंदगी के नए फेज को भी उन्होंने अच्छे से अपनाया है। सोनम कपूर से पूछा गया कि क्या मॉम गिल्ट एक असली चीज होती है। और क्या आप खुद को मदरहुड के लिए सही में तैयार कर सकते हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, कोई भी मदरहुड के लिए तैयार नहीं हो सकता। आप भले ही घर में रहने वाली मां हों या फिर कामकाजी मां। हर कोई मॉम गिल्ट से गुजरता है। भले ही आप घर में कपड़े धो रहे हों, किचन में काम कर रहे हों या फिर किसी के साथ इंटरव्यू कर रहे हों, वो गिल्ट हमेशा आपके अंदर रहता है। कामकाजी मांओं के बारे में भी सोनम कपूर ने बात की। वर्किंग मांओं को लेकर चली आ रही स्टीरियोटाइप सोच को तोड़ते हुए सोनम ने कहा, कामकाजी मांओं के बारे में सबसे बड़ी धारणा ये है कि लोग सोचते हैं कि हमें अपने बच्चों की परवाह नहीं है और हम अपने काम की परवाह ज्यादा करते हैं। ये सच नहीं है। हम अपने बच्चों की इतनी परवाह करते हैं कि हमारा काम करने का मन करे। सोनम से हमने ये भी पूछा कि मां बनने के बाद उनकी जिंदगी में क्या पॉजिटिव बदलाव आया है। इसपर उन्होंने कहा, मेरी जिंदगी में मां बनने के बाद ये पॉजिटिव बदलाव आया है कि अब मैं अपने जैसा ज्यादा महसूस करती हूं। मुझे उस पॉइंट तक पुश कर दिया गया था जहां मुझे खुद को अपनाना पड़ा, क्योंकि मेरी पूरी बॉडी बदल गई थी। मेरी सोच बदल गई और मैंने सोचा कि अब अगर मैंने अपने आप को नहीं अपनाया कि मैं कौन हूं, क्या हूं और मेरा शरीर कैसे बदल गया है, तो कभी नहीं अपना पाऊंगी।

चंदू चैंपियन में कार्तिक आर्यन का दिखेगा अलग अंदाज

यह साल दर्शकों के लिए बहुत बढ़िया रहने वाला है। साल का फर्स्ट हाफ लगभग खत्म हो चुका है, और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री ने अब तक अच्छा सफर तय किया है। ऐसे में, आगे आने वाला वक्त और भी एक्साइटिंग होने वाला लग रहा है। कई एंटरटेनमेंट से भरी फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार हैं। इनमें से एक है चंदू चैंपियन जिसका दर्शकों द्वारा बेसब्री से इंतज़ार किया गया है। इस फिल्म की चर्चा इसके घोषणा के समय से हो रही है, और इसके पीछे कई वजह हैं।

चंदू चैंपियन को साल की सबसे बड़ी फिल्म कहा जा रहा है, और यह समझना आसान है कि ऐसा क्यों है। यह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के तीन बड़े नामों को एक साथ लेकर आई है। सुपरस्टार कार्तिक आर्यन, डायरेक्टर कबीर खान और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला। यह तिकड़ी पहले ही अपनी अपनी फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा चुकी है। ऐसे में यह पहला मौका है, जब वे तीनों एक साथ एक फिल्म पर काम कर रहे हैं।

यह कहना गलत नहीं होगा कि इंडस्ट्री के बेस्ट एक्सपर्ट्स एक ही प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। कार्तिक और साजिद पहले भी साथ काम कर चुके हैं और उनकी जोड़ी सफल होने के साथ बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई है। लेकिन, डायरेक्टर कबीर खान के साथ कार्तिक का बड़े पर्दे पर काम करना दर्शकों के लिए कुछ नया और रोमांचक लेकर आने वाला है।

चंदू चैंपियन को और भी खास बनाती है कार्तिक आर्यन की मौजूदगी और उनका शानदार बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से पहले सुपरस्टार के अपीयरेंस को सीक्रेट रखा है। लेकिन अब सोशल मीडिया पर जारी हुई तस्वीरों से हम कार्तिक को बिल्कुल नए लुक में देख सकते हैं।

कार्तिक का लुक अब तक हमारे द्वारा देखे जाने वाले लुक से काफी अलग है। इतना ही नहीं, हमने उन्हें कड़ी ट्रेनिंग सेशन में देखा है, जिसमें उनका डेडीकेशन देखने मिला है।

चंदू चैंपियन इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। फिल्म की घोषणा के समय से चर्चा वाकई जोरो पर है, और मेकर्स ने लोगों को इसके बारे में उत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यह फिल्म 14 जून, 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार है।

अब डायरेक्टर के तौर पर भाग्य आजमाएंगे रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा अपने अब तक के करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदारों में बखूबी खुद को साबित कर चुके हैं। उन्होंने हमेशा साबित किया है कि वह दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान लाने से लेकर उनके डराने तक की भूमिकाओं को खूबसूरती से पर्दे पर उतार सकते हैं।

वहीं, रणदीप का भी कहना है कि वह खुद को एक थीम तक सीमित नहीं रखना चाहते और अलग-अलग शैलियों में काम करना चाहते हैं। अभिनेता ने एक फिल्म निर्माता के रूप में अपने अगले प्रोजेक्ट एक्शन फिल्म का भी संकेत दिया। अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछे जाने पर रणदीप ने हाल ही में बताया, एक एक्टर के तौर पर मैंने कई छलांग लगाई है, कई तरह के किरदार निभाए हैं। इसी तरह, एक फिल्म निर्माता के रूप में, मैं अलग-अलग शैलियों पर काम करूंगा। शायद अगली बार मैं एक एक्शन फिल्म बनाऊंगा। बता दें कि रणदीप ने 2001 में मॉनसून वेडिंग से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने कई शानदार फिल्में दी, जिनमें साहेब बीवी और गैंगस्टर, मर्डर 3, हाईवे और सरबजीत जैसे कई बेहतरीन प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में एक्टर ने कहा, इंडस्ट्री कोई एक व्यक्ति या लोगों का समूह नहीं है। यह अलग-अलग द्वीप हैं जो अपना काम करने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे मैं एक हूं। कई कहानियों को चुनौती देने वाली फिल्म के साथ... सात साल बाद बड़े पर्दे पर सफल वापसी के साथ एक एक्टर और निर्देशक के रूप में मुझे दर्शकों से जो प्यार मिला है, उसने मेरा आत्मविश्वास बढ़ा दिया है।

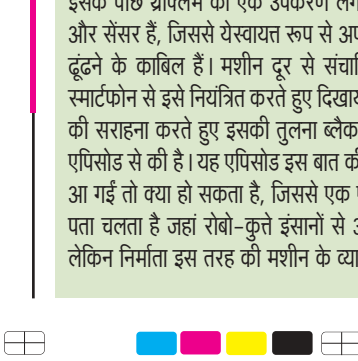

अजब-गजब | वजह जान उड़ जाएंगे होश!

अमेरिका का वो शहर जहां दिन में घर में छुप जाते हैं लोग

उत्तर भारत में गर्मी के दिन शुरू हो चुके हैं। धूप में तेजी आ गई है और जल्द ही लू भी चलने लगेगी। उसके बाद तो बाहर निकलना दूभर हो जाएगा। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में तेज आंधी-तूफान और बारिश से कुछ राहत लोगों को मिल जाती है। पर सोचिए कि हमारे देश के कई हिस्सों में कम से कम बारिश होती और दिन के अधिकतर वक्त, चमकती-तेज धूप देखने को मिलती, तो वहां रहने वाले लोगों की क्या हालत होती? बेशक लोग गर्मी से परेशान हो जाते। ऐसी ही हालत अमेरिका के एक शहर में लोगों की होती है। इस शहर को सबसे ज्यादा धूप वाला शहर माना जाता है।

अमेरिका के एरिजोना में एक शहर है, जिसका नाम है यूमा। इस शहर को "Sunniest City on Earth" यानी सबसे ज्यादा धूप वाले शहर का खिताब गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से मिला है। यहां पर दिन के वक्त इतनी तेज धूप होती है कि उससे बचने के लिए लोग घर या इमारतों के अंदर दुबके रहते हैं। यहां 50 डिग्री सेल्सियस तक तापमान हो जाता है। साल में सिर्फ 89 एमएम बारिश होती है, इस वजह से ये जगह धरती की सबसे सूखी जगहों में से एक मानी जाती है। यहां 91 फीसदी धूप निकली रहती है। गर्मी के दिनों में 13 घंटों तक धूप होती है।

अब आप ये तो समझ ही सकते हैं कि जिस जगह पर धूप ज्यादा होगी, बारिश कम होगी, वो सूखा रहेगा। यहां दिन के वक्त ऐसी आंच रहती है कि अगर कोई घर से बाहर निकला, तो उसे हीट स्ट्रोक लगने का खतरा रहता है। रिपोर्ट की मानें तो यहां साल में 4055 घंटे बेहद कड़ी धूप होती है। ठंड के दिनों में भी इस शहर में 11 घंटे धूप होती है। गर्मी के दिनों में शहर का तापमान रात के वक्त भी गर्म होता है। बाहरी तापमान, शरीर के तापमान से ज्यादा हो जाता है जिसकी वजह से लोगों को सोने में भी दिक्कत होती है।

यूमा शहर में अक्सर देश के उत्तरी इलाकों से ठंड के दिनों में टूरिस्ट आते हैं जो यहां के मौसम को एंजॉय करते हैं क्योंकि यहां बदली जैसा मौसम कभी नहीं होता, उन्हें कड़ी धूप ही देखने को मिलती है। जो लोग यहां पर्मानेंटली रहते हैं, वो मौसम में किसी तरह का बदलाव नहीं अनुभव कर पाते हैं। ये शहर हाइवे के नजदीक है, इस वजह से अक्सर यहां लोग रुककर इस शहर का एक बार अनुभव जरूर ले लेते हैं। कम ठंड पड़ने की वजह से यहां पर हरी सब्जियां काफी उगती हैं।

30 फुट तक आग उगलता है थर्मोनेटर कंपनी का ये 'कुत्ता'

आज दुनिया में कुत्ते के आकार रोबोट बनने लगे हैं जिनका व्यापक तौर पर उपयोग हो सकता है। अब अमेरिका में आग फेंकने वाला रोबोट बिक्री के लिए उपलब्ध है। यहां अब फ्लेमेथ्रोवर चलाने वाला रोबोट कुत्ता ऑनलाइन खरीद सकते हैं। ओहियो स्थित थ्रोफ्लेम नाम की कंपनी ने मंगलवार को अपने 'थर्मोनेटर' की बिक्री शुरू की। कंपनी ने इसे नए जमाने का हथियार नहीं बताया, लेकिन लौ फेंकने वाले रोबोट का इस्तेमाल जंगल की आग पर नियंत्रण, कृषि प्रबंधन, मनोरंजन और बर्फ हटाने में किया जा सकता है। इस 37 पाउंड की चौपाया मशीन को 7 लाख 85 हजार रुपयों में बेचा गया, जो मैरीलैंड को छोड़कर सभी अमेरिकी राज्यों में वैध है। एक प्रदर्शन वीडियो में एक थर्मोनेटर को जंगल में रेंगते और कूदते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद उसकी पीठ पर लगे फ्लेम थ्रोअर से 30 फुट की आग उगलकर आसपास के वातावरण को आग के हवाले कर दिया। क्लीवलैंड में स्थित थ्रोफ्लेम, अमेरिका में सबसे पुराना फ्लेमेथ्रोवर निर्माता होने का दावा करता है। कंपनी ने 2015 में पहला पूर्ण आकार, व्यावसायिक रूप से उपलब्ध फ्लेमेथ्रोवर जारी किया, जो 50 फीट तक आग की लपटें मारता है। थ्रोफ्लेम ने अपनी वेबसाइट पर साझा करते हुए बताया कि इस अनियमित फ्लेमेथ्रोवर ने वैधता से संबंधित एक खासी मीडिया प्रतिक्रियाओं को पैदा किया है। इस उत्पाद को कोई भी बिना पृष्ठभूमि जांच या प्रतीक्षा अवधि के इसे खरीद सकता है। ऐसा लगता है कि थर्मोनेटर को अधिकांश चौपाए रोबोटों की तरह डिजाइन किया गया है, लेकिन इसके पीछे थ्रोफ्लेम का एक उपकरण लगा हुआ है। रोबोट कुत्ते में विभिन्न प्रकार के कैमरे और सेंसर हैं, जिससे येस्वायत्त रूप से अपने चारों ओर घूमने और आग लगाने के लिए लक्ष्य ढूंढने के काबिल हैं। मशीन दूर से संचालित होती है। प्रदर्शन वीडियो में एक हैंडलर को स्मार्टफोन से इसे नियंत्रित करते हुए दिखाया गया है। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने मशीन की सराहना करते हुए इसकी तुलना ब्लैक मिरर के चौथे सीज़न के 'मेटलहेड' शीर्षक वाले एपिसोड से की है। यह एपिसोड इस बात की पड़ताल करता है कि अगर ये मशीनें हमारे ऊपर आ गईं तो क्या हो सकता है, जिससे एक ऐसी दुनिया में जीवित रहने की भयानक खोज का पता चलता है जहां रोबो-कुत्ते इंसानों से आगे निकल सकते हैं और उन्हें मात दे सकते हैं। लेकिन निर्माता इस तरह की मशीन के व्यापक उपयोग की संभावनाओं से बहुत उत्साहित हैं।

'इंडिया' का मकसद संविधान बचाना और एनडीए का खत्म करना : तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मेरे सभी भाई-बहन पर केस हैं। हर दो-तीन महीने पर छापामारी होती है। बिहार में अकेले लड़ रहे हैं। हम इंडिया गठबंधन बनाने के लिए पूरे देश में नीतीश जी के साथ घूमे। सबसे बड़ी पार्टी होने के बाद नीतीश कुमार को सीएम बनाया। बीजेपी राजद से डरती है। दो धराएं हैं, इंडिया गठबंधन संविधान बचाना चाहता है और एनडीए उसे खत्म करना चाहता है। जो संविधान को बचाएंगे हमारे साथ हैं।

उक्त बातें पूर्णिया के निजी होटल में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बिहार नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कही हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि दूसरे चरण में पांच जिलों में चुनाव हो रहा है। यह देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। हर जगह भाजपा के बड़े नेताओं और प्रत्याशियों ने संविधान को खत्म करने की बात की है। उन्होंने कहा कि इनका (भाजपा का) कहना है कि अगर हमें बहुमत मिला तो हम संविधान खत्म कर देंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुसलमान के बाद सबसे ज्यादा वोटर पूर्णिया में पिछड़े वर्ग हैं। उन्होंने दावा किया है कि सभी राजद के पक्ष में वोटिंग को लेकर गोलबंद हो चुके हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने खिलाड़ियों को नौकरी दी। इनवेस्टर्स मीट कराया। उन्होंने दावा किया कि सरकार में रहते हुए हम लोगों ने बहुत काम किया है।

परिवार और भ्रष्टाचार को बचाने के लिए बना गठबंधन : नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिहार के खगड़िया से एनडीए प्रत्याशी राजेश वर्मा के समर्थन में लोगों से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि राजेश वर्मा को लोकसभा भेज कर यहां की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ को मजबूत करने का काम करें। वहीं अपने संबोधन में नड्डा ने महागठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए उसे भ्रष्टाचारियों का गठबंधन बताया। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि महागठबंधन सिर्फ दो चीजों का गठबंधन है। परिवारवाद का गठबंधन है और दूसरा भ्रष्टाचारियों को बचाने का गठबंधन है। यह लोग या तो जेल में हैं या बेल पर हैं।

पवन राष्ट्रवादी, रास्ता भटक गए हैं : मनोज

भाजपा नेता और अभिनेता मनोज तिवारी पटना पहुंचे। काराकाट से पवन सिंह के निर्दलीय चुनाव लड़ने के सवाल पर मनोज तिवारी ने कहा कि पवन सिंह राष्ट्रवादी व्यक्ति हैं, मैं उनसे बात करुंगा। उन्होंने कहा कि हमने उनको आसनसोल से टिकट दिया था, लेकिन उन्होंने ही मना कर दिया। मनोज तिवारी ने कहा कि वह भी मेरे भाई हैं और राष्ट्रवादी हैं। मुझे ऐसा लगता है कि वह रास्ता भटक गए हैं इसलिए हम उनसे बात करने की कोशिश करेंगे कि वह राष्ट्र के विकास में अपना सहयोग दें।

सम्राट चौधरी के पास गाली देने के अलावा कोई काम नहीं : रोहिणी

पटना। बिहार में लोकसभा चुनाव के दौरान नेताओं का एक-दूसरे पर निजी हमला बेहद निचले स्तर तक पहुंच गया है। भाजपा प्रत्याशी और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ उतरीं रोहिणी आचार्य अपने क्षेत्र सारण में मीडिया से बात करते समय सम्राट चौधरी से संबंधित सवाल आने पर भड़क उठीं। उन्होंने कहा- सम्राट चौधरी के पास गाली देने के अलावा काम नहीं है। बेरोजगारी तो दूर किए नहीं हैं। उनसे पूछिए कि 15 साल में क्या किया? वो किसके बेटे हैं? हमको तो पता ही नहीं है। उनकी माताजी, पिताजी ...? उनके बेटा-बेटी ...? या, सब पड़ोसी ....।

मीडिया पर भड़कीं लालू की बेटी

भाजपा के द्वारा लगातार लालू परिवार पर हमले क्यों किये जा रहे हैं, इस सवाल का जवाब देते हुए रोहिणी ने कहा कि यह सवाल तो आपको उनसे पूछना चाहिए कि आपलोग क्यों लालू परिवार के पीछे प? हुए हैं, आपलोग अपने काम की गिनती करवाईये। लेकिन आपलोग उन लोगों से यह सब सवाल पूछते नहीं हैं। तभी तो हम मीडिया में आ ही नहीं रहे हैं। यह सब बात मीडिया में आना ही नहीं है क्यों कि सब गोदी मीडिया लोग है, जो भाजपा सवाल भेजती है वही सब सवाल आपलोग पूछते हैं जैसे परिवारवाद...।

हम बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा की बात करना चाहते हैं

वीआईपी नेता मुकेश सहनी ने कहा कि सीमांचल की सभी सीटों पर हम लोग मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। एक अति पिछड़ा की बेटी पूर्णिया से चुनाव लड़ रही है। हमारे गठबंधन ने बीमा भारती के लिए मजबूती से प्रचार किया है। पूर्णिया में कैंप करने का भी फायदा मिला है। यहां रहने पर लोगों से बात हुई। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि बिहार और सीमांचल के लिए केंद्र सरकार ने क्या किया।

गहलोत के पूर्व ओएसडी के खुलासे से सियासी बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। अशोक गहलोत के पूर्व विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) लोकेश शर्मा ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री पर कई आरोप लगाए। शर्मा, जिनसे अवैध फोन टैपिंग मामले में पूछताछ की गई थी, ने आरोप लगाया कि गहलोत ने उन्हें कैबिनेट मंत्रियों की ऑडियो क्लिप दी थी।

अशोक गहलोत के पूर्व विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) लोकेश शर्मा ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री पर कई आरोप लगाए। शर्मा, जिनसे अवैध फोन टैपिंग मामले में पूछताछ की गई थी, ने आरोप लगाया कि गहलोत ने उन्हें कैबिनेट मंत्रियों की ऑडियो क्लिप दी थी, और उनसे उन्हें मीडिया में जारी करने के लिए कहा गया था। जयपुर में लोकेश शर्मा ने कहा, कि फोन टैपिंग मामले में दिल्ली में क्राइम ब्रांच द्वारा कई बार 8-9 घंटे की गहन पूछताछ के बावजूद मैं अब तक चुप था. लेकिन जो व्यक्ति फोन टैपिंग के लिए जिम्मेदार था। इस घटना ने मुझे अधर में छोड़ दिया और मुझे इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। शर्मा ने दावा किया कि गहलोत ने उन्हें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और अन्य की फोन रिकॉर्डिंग दी। लोकेश शर्मा ने आरोप लगाया पहले, मैंने कहा था कि मुझे सोशल मीडिया के माध्यम से रिकॉर्डिंग मिली थी, लेकिन यह सच नहीं था। अशोक गहलोत ने मुझे एक पेन ड्राइव में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कांग्रेस नेता भंवरलाल शर्मा और संजय जैन की ऑडियो क्लिप दी थी। मैं इसे मीडिया में जारी करने के लिए कहा गया।

सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आप के लोस चुनाव अभियान का करेंगी नेतृत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आम आदमी पार्टी के प्रचार अभियान में शामिल होने की उम्मीद है।

पार्टी सूत्रों का मानना है कि उनकी उपस्थिति से केजरीवाल की अनुपस्थिति में पार्टी के प्रचार को बढ़ावा मिलेगा। जिसमें पार्टी के एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, सुनीता केजरीवाल धीरे-धीरे एक बड़ी भूमिका निभा रही हैं, जिससे आप के प्रचार अभियान को गति मिलने की उम्मीद है, जो कि उत्पाद शुल्क नीति मामले में ईडी द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी से प्रभावित हुआ है।

डबल इंजन सरकार में परेशानियां डबल : भूपेश

पूर्व सीएम ने महंगाई को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजनांदगांव लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी हैं। अपने दौरे कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। प्रत्याशी भूपेश बघेल ने कहा है कि भाजपा के नेता डबल इंजन की सरकार की बातें करते हैं लेकिन सच यह है कि एक ओर एक इंजन लगातार महंगाई बढ़ा रहा है और दूसरा इंजन कांग्रेस सरकार की ओर से महंगाई से राहत दिलाने के लिए जो सुविधाएं मिली थीं, उसमें कटौती कर रहा है।

उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि ये डबल इंजन की डबल ट्रबल इंजन सरकार है यानी दोहरी परेशानी देने वाली सरकार। भूपेश बघेल भाजपा सरकार की नीतियों और वादाखिलाफियों के खिलाफ जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार गरीब, आदिवासी और महिला विरोधी है, एक ओर कांग्रेस जहां गरीबों, आदिवासियों, महिलाओं

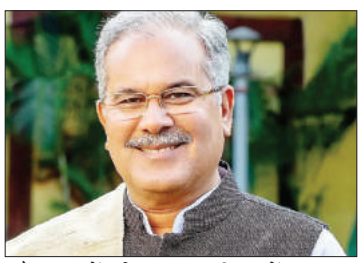

और मजदूरों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखती है तो वहीं भाजपा गरीब को और गरीब बना रही है। उनसे सुविधाएं छीन रही है। भूपेश बघेल ने कहा कि 2014 में भाजपा ने नारा दिया था, बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकारलेकिन आज 10 सालों बाद महंगाई दोगुनी से भी अधिक हो गई है, बढ़ी हुई महंगाई की सबसे अधिक मार घर में सबके भोजन का प्रबंध करने वाली माताओं-बहनों पर पड़ी है और अब तो भाजपा सरकार ने राशनकार्ड के चावल में भी कटौती कर दी है।

जनता के सवालों का जवाब दें पीएम : जीतू पटवारी

लोकसभा चुनाव को लेकर मध्य प्रदेश में सियासी जंग जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मध्य प्रदेश दौरे पर हैं। भोपाल में पीएम मोदी के रोड शो से पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उन पर जुबानी हमला बोला। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण यादव भी उनके साथ थे। पीसी में प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने पीएम मोदी से तीखे सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि शोमैन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर से रोड शो करने मध्य प्रदेश आ रहे हैं। लेकिन, वे जनता के सवालों का जवाब दें और यह बताएं कि किसानों, युवाओं, महिलाओं को जो गारंटी दी थी, वह पूरी क्यों नहीं कीं। भाजपा के नेता उन्हें बजरंगबली का अवतार, भगवान और पता नहीं क्या-क्या कह रहे हैं तो यह भी बताएं कि बेरोजगारी क्यों है? किसानों को उपज का मूल्य क्यों नहीं मिल रहा है? जीतू ने कहा कि मोदी गारंटी को लेकर चुनाव के बाद हम कोर्ट भी जाएंगे।

भाजपा ने 2014 से अब तक नहीं पूरी की कोई गारंटी : रंजीत रंजन

कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन महासमुंद दौरे पर रहीं, इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर वार किया। रंजीत रंजन ने कहा कि लोकसभा के पहले चरण के वोटिंग के बाद विपक्षी जुमला पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेता जो बयानबाजी कर रहे हैं वो प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। उन्होंने पीएम मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे पर कहा कि, वो शायद ये भूल रहे हैं कि वो पार्टी के प्रचारक के साथ-साथ देश के प्रधानमंत्री भी हैं। प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नही बल्कि सभी के हैं पहले चरण के वोटिंग के बाद विपक्षी घबरा गये हैं। रंजन ने कहा कि जुमला पार्टी 2014 में जो गारंटी दी थी, उसे पूरा किये क्या ? कालाधन वापस आया क्या ? 15 लाख रुपये सभी के खाते मे आये क्या? बेरोजगारी कम हुई, जीएसटी सरलीकरण हुआ क्या ? महंगाई कम हुई क्या? प्रधानमंत्री व गृहमंत्री क्या जनता के बीच आकर कह सकते हैं, क्या नौकरी मिली क्या, जितने भी वादे किये उन में से 70 फसीदी भी पूरा नहीं किया।

दिल्ली ने गुजरात टाइटंस से छीनी जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस को चार रन से हरा दिया। इस दौरान कप्तान ऋषभ पंत और अक्षर पटेल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। दिल्ली के 225 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस की टीम साई सुदर्शन (39 गेंद में 65 रन, सात चौके, दो छक्के) और डेविड मिलर (23 गेंद में 55 रन, तीन छक्के, छह चौके) के अर्धशतक के बावजूद आठ विकेट पर 220 रन ही बना सकी।

पंत और अक्षर ने खेली उम्दा पारी

वहीं गुजरात की तरफ से साई सुदर्शन ने सलामी बल्लेबाज रिद्धिमान साहा (39) के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 रन भी जोड़े। दिल्ली की ओर से रसिक सलाम (44 रन पर तीन विकेट) ने तीन जबकि कुलदीप यादव (29 रन पर दो विकेट) ने दो विकेट चटकाए। विकेटकीपर बल्लेबाज पंत (43 गेंद में नाबाद 88 रन, आठ छक्के, पांच चौके) ने इससे पहले ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़कर टी20 विश्व कप की भारतीय टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत किया। उन्होंने अक्षर (43 गेंद में 66 रन, चार छक्के, पांच चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए उस समय 113 रन की साझेदारी की जब टीम 44 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। पंत ने अंत में ट्रिस्टन स्टब्स (सात गेंद में नाबाद 26, तीन चौके, दो छक्के) के साथ सिर्फ 18 गेंद में 67 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर चार विकेट पर 224 रन तक पहुंचाया। दिल्ली की टीम अंतिम पांच ओवर में 97 रन जोड़ने में सफल रही। इस जीत से दिल्ली के नौ मैच में चार जीत से आठ अंक हो गए हैं।

टाइटंस के भी इतने ही मैचों में इतने ही अंक हैं लेकिन दिल्ली की टीम बेहतर नेट रन रेट के कारण उससे एक स्थान आगे छठे पायदान पर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरे टाइटंस ने पावर प्ले में कप्तान शुभमन गिल (06) का विकेट गंवाने के बाद 67 रन बनाए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं संजीत उम्र लगभग 43 वर्ष पुत्र स्व0 ब्रिज मोहन निवासी हासेमऊ, लौलई, जनपद लखनऊ-227105 का हूँ मैं अपने पुत्र, कृष्णा यादव उम्र लगभग 19 वर्ष की गलत हरकतों से तंग आकर मैं संजीत अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र कृष्णा यादव को बेदखल करता हूँ।

यह कि मेरे पुत्र कृष्णा यादव के द्वारा भविष्य में किये गये किसी भी क्रिया कलाप से मेरा व मेरे परिवार के लोगों से कोई लेना देना नहीं होगा इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

उक्त हेतु मैंने कोर्ट में शपथ पत्र भी दाखिल कर दिया है।

संजीत
(पुत्र स्व0 ब्रिज मोहन)
मो0 - 9956292912

हर किसी के चेहरे पर लाएंगे मुस्कान : पवार

» एनसीपी पवार गुट ने जारी किया घोषणा पत्र

» नौकरी से लेकर महिला आरक्षण तक का किया एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी- शरद चंद्र पवार (एनसीपी-एससीपी) ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। घोषणापत्र में महिला सुरक्षा के लिए काम करने का वादा किया गया है। साथ में घोषणापत्र में एलपीजी सिलेंडर की कीमत कम करने का भी वादा किया गया है।

बता दें, पार्टी ने अपने घोषणापत्र का नाम शपथ पत्र रखा है। इस बीच, शरद पवार ने अमित शाह के किसानों की आत्महत्या को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार किया। घोषणापत्र को जारी करते हुए एनसीपी-एससीपी नेता जयंत पाटिल ने कहा, हम आज अपना घोषणापत्र जारी कर रहे हैं। घोषणापत्र में जो मुद्दे शामिल हैं, हमारे नेता इन मुद्दों को संसद में उठाएंगे। हमारा घोषणापत्र शपथ पत्र है। महंगाई बढ़ रही है, किसान परेशान हैं और बेरोजगारी चरम पर है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 10 सालों में एजेंसियों का दुरुपयोग और निजीकरण

जैसे मुद्दे बढ़े हैं। इन सभी मुद्दों पर हम अपना रुख पहले ही जाहिर कर चुके हैं। हम एलपीजी गैस की कीमत, पेट्रोल और डीजल की कीमत कम करेंगे। अगर हम सत्ता में आए तो सरकारी नौकरियों में खाली जगहों को भरेंगे। हम महिला आरक्षण पर भी काम करेंगे। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानून लाया जाएगा।

अमित शाह पर शरद पवार का पलटवार

दरअसल, अमित शाह के कहा था कि शरद पवार के कृषि मंत्री रहते हुए कई किसानों ने खुद की जान दे दी थी, जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। इस पर शरद पवार ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में किसानों की आत्महत्याएं बढ़ी हैं। अमित शाह को पहले बताना चाहिए कि उन्होंने पिछले कुछ सालों में आत्महत्या रोकने के लिए क्या किया है। वहीं, पीएम मोदी के बयान पर शरद पवार ने कहा, लोग उम्मीद करते हैं कि देश का प्रधानमंत्री जाति, धर्म, भाषा आदि से परे सभी के लिए हो। एक भाषण में उन्होंने देश में अल्पसंख्यकों को लेकर अलग रुख अपनाने की कोशिश की। चुनाव प्रचार के दौरान हम उनके पक्ष को लोगों के बीच ले जाएंगे और लोगों को यह समझाने की कोशिश करेंगे कि उनके विचार से देश की एकता को ठेस पहुंच सकती है और इसकी निंदा की जानी चाहिए

मोदी व राहुल से चुनाव आयोग ने मांगा 29 अप्रैल तक जवाब

» आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों का लिया संज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों पर चुनाव आयोग ने पीएम मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाषणों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने 29 अप्रैल सुबह 11 बजे तक दोनों पार्टियों से जवाब मांगा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के नेताओं के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी और धर्म, जाति, संप्रदाय और भाषा के नाम पर लोगों के बीच नफरत फैलाने और अलगाववाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था।

ईसीआई ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 77 को लागू किया और स्टार प्रचारकों पर शासन करने के लिए पहले कदम के रूप में पार्टी अध्यक्षों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी के खिलाफ एमसीसी के आरोपों का पहले कदम के रूप में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ आदान-प्रदान किया गया।

ईसीआई का कहना है कि राजनीतिक दलों को अपने उम्मीदवारों, विशेषकर स्टार प्रचारकों के आचरण की प्राथमिक और बढ़ती जिम्मेदारी लेनी होगी। उच्च पदों पर बैठे लोगों के प्रचार भाषणों के अधिक गंभीर परिणाम होते हैं।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची बीजेपी

» महिला उम्मीदवार के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। लोकसभा चुनाव शुरू होने के बाद से ही पश्चिम बंगाल में सियासी माहौल गरमा गया है। संदेशखाली मामले के सामने आने के बाद से यहां भाजपा लगातार महिलाओं की संरक्षण का मुद्दा उठा रही है।

इस बीच पार्टी ने अब तृणमूल कांग्रेस नेता और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर भाजपा की महिला उम्मीदवार के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। इसे लेकर चुनाव आयोग में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। भाजपा नेता शिशिर बजोरिया की ओर से चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा गया है कि टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने

भाजपा विधायक और 8 मालदा दक्षिण से भाजपा की उम्मीदवार श्रीरूपा मित्रा चौधरी के खिलाफ अभद्र और नारी-द्वेषी टिप्पणी की है। इस चिट्ठी में कहा गा है कि अभिषेक ने यह टिप्पणी 23 अप्रैल 2024 को एक सार्वजनिक बैठक के दौरान की। चिट्ठी में कहा गया कि एक सांसद, जो कि पश्चिम बंगाल की सत्तासीन पार्टी के महासचिव भी हैं, और राज्य में जिसकी मुख्यमंत्री भी एक महिला हैं, वह इस तरह एक महिला के खिलाफ भद्दी टिप्पणी कर रहे हैं। भाजपा नेता ने आरोप गाया कि यह आचार संहिता का सीधा उल्लंघन है और राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इस बयान पर पश्चिम बंगाल के डीजीपी से रिपोर्ट मांगी है।

वायुसेना का विमान क्रैश, कोई हताहत नहीं

» धमाके के शोर से इलाके में दहशत, मौके पर पहुंचे अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जैसलमेर। जैसलमेर के पिथला गांव में गुरुवार सुबह वायुसेना का टोही विमान क्रैश हो गया। जिला प्रशासन और वायु सेना के अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। ये विमान आसमान में जासूसी गतिविधियों के ऊपर नजर रखने के काम आता है। तेज धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण हादसे के स्थान पर

पहुंचे। सूचना मिलते ही वायुसेना के अधिकारी भी घटनास्थल पहुंचे।

सेना के अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है। वायु सेवा के टोही विमान में कोई पायलट नहीं होता यह रिमोट से ऑपरेट किया जाता है। सीमावर्ती इलाके में जासूसी गतिविधियों के ऊपर निगरानी रखने के लिए इस प्लेन को काम में लिया जाता है। जैसलमेर के पिथला गांव के पास तेज धमाके के साथ में यह प्लेन क्रैश हुआ है। तेज धमाका सुनकर स्थानीय निवासी क्रैश स्थान पर पहुंचे। प्लेन क्रैश में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

आगे निकलने की होड़ में पेड़ से टकराकर पलटी कार, चार लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। बलिया जिले के फेफना क्षेत्र में फेफना-बक्सर राजमार्ग पर एक कार के एक अन्य वाहन से आगे निकलने की कोशिश में अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर पलट जाने से उस पर सवार चार लोगों की मौत हो गई।

अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि फेफना थाना क्षेत्र के फेफना-बक्सर राजमार्ग पर बुधवार की रात लगभग साढ़े दस बजे फेफना से चितबड़ागांव की ओर जा रही एक कार एक वाहन से आगे निकलने की कोशिश में अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर पलट गई। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में कार सवार सभी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने सत्येंद्र यादव (40), राजू यादव (30) और कमलेश यादव (36) को मृत घोषित कर दिया। रितेश गोंड (32) की हालत गंभीर होने की वजह से उसे मऊ के अस्पताल रेफर किया गया लेकिन वहां ले जाते समय रास्ते में ही उसने भी दम तोड़ दिया।

अरुणाचल प्रदेश में भारी भूस्खलन जीवन अस्त-व्यस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ईटानगर। एक बड़े भूस्खलन के कारण अरुणाचल प्रदेश की दिबांग घाटी, जो चीन की सीमा से लगा हुआ क्षेत्र है, में सड़क संपर्क टूट गया है। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर हुनली और अनिनी शहरों के बीच हुई। अधिकारियों ने भूस्खलन के लिए हाल के दिनों में क्षेत्र में हुई भारी बारिश को जिम्मेदार ठहराया है।

अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने घटना का एक वीडियो साझा करते हुए एक्स पर लिखा हुनली और अनिनी के बीच राजमार्ग को व्यापक क्षति के कारण यात्रियों को होने वाली असुविधा के बारे में जानकर परेशान हूं। जल्द से जल्द कनेक्टिविटी बहाल करने के निर्देश जारी किए गए हैं क्योंकि यह सड़क दिबांग घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ती है।

तिहाड़ जेल में फिर आपस में भिड़े कैदी

» एक दूसरे पर किया सुए से हमला, 4 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल में एक बार फिर से कैदियों के बीच झड़प का मामला सामने आया है। शौचालय जाने को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। दोनों गुटों ने एक दूसरे के साथ न सिर्फ हाथापाई की बल्कि सुए से हमला कर दिया। जेल सूत्रों के मुताबिक यह घटना तिहाड़ जेल नंबर 3 में हुई।

जेल में अपना दबदबा कायम रखने को लेकर ये दोनों गुट आपस में भिड़ गए, देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि ये एक दूसरे पर सुए से हमला करने लगे। इस भिड़ंत में चार लोग घायल हुए हैं, सूत्रों के मुताबिक ये वारदात सोमवार को हुई। थाना हरी नगर में केस दर्ज कर मामले की जांच

देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली तिहाड़ जेल में इस तरह की घटना पहली बार सामने नहीं आई है। पहले भी कैदियों के आपस में भिड़ने और गैंगवार जैसी खबरें सामने आती रही है। ऐसी ही एक घटना साल 2023 में हुई थी। तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की चाकू से हमलाकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना का वीडियो डरा देने वाला था।

पहले भी हुई थी गैंगवार

शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक मारपीट के दौरान एक गुट ने दूसरे गुट के चार लोगों के ऊपर जेल में बनाए गए सूए से हमला कर दिया। कैदियों के शोर मचाने पर जेल वॉर्डन मौके पर पहुंचे और घायल कैदियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। घायल कैदियों की पहचान दुर्गेश, दीपक, धीरज और दिनेश के रूप में हुई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।